

## उपभोक्ताओं की बेहतर वित्तीय सेवाओं तक पहुंच अभी भी एक सपना

जयपुर, 17 मार्च, 2011

“जहां एक तरफ हर साल भारत में 1.5 करोड़ नये उपभोक्ता वित्तीय सेवाओं से जुड़ते हैं, वहां वित्तीय सेवाओं में बेहतर पहुंच और बेहतर सामर्थ्य पाना अभी भी बाकी है।” उक्त कथन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के जयपुर सर्किल के जनरल मैनेजर एस.एन. पण्डा ने विश्व उपभोक्ता दिवस पर ‘कट्स’ द्वारा आयोजित ‘उपभोक्ताओं के लिए उचित वित्तीय सेवाएं’ विषयक कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किया। यह कार्यशाला ‘होटल जयपुर पैलेस’, सहकार मार्ग, जयपुर में आयोजित की गई। पण्डा ने अपने वक्तव्य में उपभोक्ताओं को सेवा प्रदाता कंपनी तक पहुंचने में होने वाली मुश्किलों और उपभोक्ताओं में जागरूकता की कमी होना आदि विषयों पर प्रकाश डाला। पण्डा ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की उपभोक्ताओं को बैंकिंग क्षेत्र से जुड़ी शिक्षा प्रदान करने की पहल के बारे में भी बताया। उन्होंने वित्तीय सेवाओं से जुड़े उपभोक्ताओं को उचित एवं सही सेवाएं एवं सुविधा देने पर बल दिया।

अपने परिचयात्मक सम्बोधन में ‘कट्स’ के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने ‘विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस’ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बैंक एक दूसरे पर इतने आश्रित हो गए हैं कि यदि किसी दूसरे देश में बैंकिंग संकट आता है तो उसका असर पूरे विश्व में देखने को मिलता है।

बैंकिंग लोकपाल कार्यालय, जयपुर की उप मुख्य प्रबन्धक श्रीमती के. सुन्दरी ने बैंकिंग लोकपाल की कार्यप्रणाली के बारे में बताया एवं यह भी बताया कि कैसे एक उपभोक्ता बैंकिंग लोकपाल के जरिये बैंकिंग क्षेत्र से जुड़ी अपनी समस्या का निवारण करवा सकता है।

राज्य उपभोक्ता शिकायत निवारण आयोग, राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष जस्टिस विनोद शंकर दवे ने कानूनी क्षेत्र से जुड़े अपने निजी एवं पेशेवर अनुभवों को उदाहरणों के माध्यम से भागीदारों के समक्ष रखा और उपभोक्ता और सेवा प्रदाता के बीच के संबंधों पर चर्चा की।

बैंकिंग लोकपाल कार्यालय, जयपुर के सहायक महाप्रबन्धक श्री एस.एन. सेनापति ने ‘सेबी’, ‘आई.आर.डी.ए.’ व ‘रिजर्व बैंक’ जैसे विनियामक संस्थाओं की वित्तीय सेवाओं में योगदान के बारे में चर्चा की और उपभोक्ताओं को मिलने वाली सेवाओं की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम का संचालन ‘कट्स कार्ट’ के कार्यक्रम अधिकारी दीपक सक्सेना ने किया एवं अमरजीत सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला में केन्द्र व राज्य के नीति निर्माताओं, अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों, मीडिया और 12 जिलों में परियोजना भागीदार स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के पश्चात् ‘कट्स’ द्वारा भारत सरकार के सहयोग से संचालित ‘ग्रैनिर्का’ परियोजना से जुड़े 12 जिलों के कार्यकर्ताओं के लिए उपभोक्ता मुद्दों पर दो दिवसीय आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 25 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

---

### **अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:**

दीपक सक्सेना (93513 66827)/अमरजीत सिंह (98290 15812)

‘कट्स’ सेंटर फॉर कन्ज्यूमर एक्शन, रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग

डी- 222, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302 016, भारत

दूरभाष: 91-5133259, [2282821](tel:2282821) / [2282482](tel:2282482), फ़ैक्स: 91-141-4015395

ईमेल: [granirca@cuts.org](mailto:granirca@cuts.org) ; [cart@cuts.org](mailto:cart@cuts.org)

वेबसाइट: <http://www.cuts-international.org/cart/Granirca>